ब्रिटेन एवं फिनलैण्ड की यात्रा पर रवानगी के समय प्रधानमंत्री का वक्तव्य

9 अक्तूबर 2006
नई दिल्ली

मैं प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर के आमंत्रण पर ब्रिटेन की सरकारी यात्रा पर जा रहा हूं। मैं हेलसिन्की जाऊंगा जहां 7वीं भारत-यूरोपीय यूनियन शीर्ष बैठक में भाग लूंगा। इस यात्रा के दौरान मुझे फिनलैंड के नेताओं से मिलने का अवसर भी प्राप्त होगा।

ब्रिटेन हमारा सबसे महत्वपूर्ण संवाद साथी है। पिछले तीन वर्षों में सभी क्षेत्रों-व्यापार, पूंजी निवेश, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, ऊर्जा, शिक्षा एवं अनुसंधान तथा सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्र में हमारे संबंध घनिष्ठ हुए हैं। प्रधानमंत्री ब्लेयर और मैं एक निवेश शीर्ष बैठक में भी शामिल हूंगा। ब्रिटेन हमारा यूरोपीय यूनियन में सबसे बड़ा भागीदार देश है और वह विदेशी निवेश का महत्वपूर्ण स्रोत है। भारतीय कंपनियां भी ब्रिटेन में प्रमुख निवेशकों में से एक हैं। हम दोनों के सामने एक जैसे खतरे हैं जिन्हें लेकर आतंकवाद का मुकाबला करने के क्षेत्र में हमारा सहयोग खासतौर से महत्वपूर्ण हो गया है।

मैं कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय भी जाऊंगा जहां मानद डॉक्टरेट प्राप्त करूंगा। यह सम्मान विश्वविद्यलाय के कुलपति, ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग प्रदान करेंगे।

हेलसिन्की में भारत-यूरोपीय यूनियन शीर्ष बैठक में दिल्ली में हुई पिछली शीर्ष बैठक के दौरान अपनाई गई संयुक्त कार्ययोजना के कार्यान्वयन में प्रगति की समीक्षा का अवसर मिलेगा। हमलोग भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के उपायों की भी समीक्षा करेंगे। यूरोपीय यूनियन हमारा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार ही नहीं बल्कि हमारे लिए उच्च टेक्नोलॉजी और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का महत्वपूर्ण स्रोत भी है। भारत की बढ़ती हुई हैसियत को मान्यता देते हुए 2004 की हेग शीर्ष बैठक के दौरान एक रणनीतिक साझेदारी भी तैयार की गई थी। तब से हमारा संपर्क बढ़ा है और हम भूमंडलीकरण, आतंकवादविरोधी नीतियों, पर्यावरण और उच्च टेक्नोलॉजी वाले क्षेत्रों में भी विचार विमर्श कर रहे हैं। हेलसिन्की में भारत-यूरोपीय यूनियन व्यापार शीर्ष बैठक से हमें व्यापारिक संबंध मजबूत करने में सहायता मिलेगी। शीर्ष बैठक के दौरान हमारी चर्चा की जानकारी संयुक्त वक्तव्य से मिल सकेगी जिसे बाद में जारी किया जाएगा।

हेलसिन्की में अपने प्रवास के दौरान मैं वहां के राष्ट्रपति टर्जा हेलोनेन और प्रधानमंत्री वैनहैनन से भी मिलूंगा। वहां के प्रधानमंत्री इस वर्ष मार्च में भारत आए थे। फिनलैंड दूरसंचार, सूचना टेक्नोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी जैसे उच्च टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में दुनिया में अग्रणी देश है। मुझे उम्मीद है कि फिनलैंड की मेरी इस यात्रा से हमारे आपसी संबंधों को और बल मिलेगा।

****